"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."



पंजीयन क्रमांक ''छत्तीसगढ़/दुर्ग/ तक. 114-009/2003/20-01-03.'

छन्।सगढ् राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 30]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 27 जुलाई 2007—श्रावण 5, शक 1929

विषय—सूची

भाग 1.—(1) राज्य शासन के आदेश, (2) विभाग प्रमुखों के आदेश, (3) उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं, (4) राज्य शासन के संकल्प, (5) भारत शासन के आदेश और अधिसूचनाएं, (6) निर्वाचन आयोग, भारत की अधिसूचनाएं, (7) लोक-भाषा परिशिष्ट.

भाग 2.—स्थानीय निकाय की अधिसुचनाएं.

भाग 3.—(1) विज्ञापन और विविध सूचनाएं, (2) सांख्यिकीय सूचनाएं.

भाग 4.—(क) (1) छत्तीसगढ़ विधेयंक, (2) प्रवर समिति के प्रतिवेदन, (3) संसद में पुर:स्थापित विधेयंक, (ख) (1) अध्यादेश, (2) छत्तीसगढ़ अधिनियम, (3) संसद् के अधिनियम, (ग) (1) प्रारूप नियम, (2) अंतिम नियम.

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 26 जून 2007

क्रमांक 345/579/2007/1-8/ स्था.—श्री सुधाकर सोनवाने, अवर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को दिनांक 20-06-2007 से 25-6-2007 तक 06 दिवस का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

- 2. अवकाश से लौटने पर श्री सुधाकर सोनवाने को अवर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पद पर पुन: पदस्थ किया जाता है.
- 3. अवकाश अविध में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री सुधाकर सोनवाने अवकाश पर नहीं जाते तो अवर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पद पर कार्य करते रहते.

रायपुर, दिनांक 26 जून 2007

क्रमांक 347/578/2007/1-8/स्था.—श्री पी. एस. तिवारी, उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, खाद्य विभाग को दिनांक 11-06-2007 से 15-06-2007 तक 05 दिवस का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

- 2. अवकाश से लौटने पर श्री पी. एस. तिवारी को उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, खाद्य विभाग के पद पर पुन: पदस्थ किया जाता है.
- 3. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.
- 4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री पी. एस. तिवारी अवकाश पर नहीं जाते तो उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, खाद्य विभाग के पद पर कार्य करते रहते.

रायपुर, दिनांक 26 जून 2007

क्रमांक /570/2007/1-8/ स्था.—श्री एल. पी. दाण्डे, अवर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग को दिनांक 26-5-2007 से 8-6-2007 तक 14 दिवस का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

- 2. अवकाश से लौटने पर श्री एल. पी. दाण्डे को अवर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पद पर पुन: पदस्थ किया जाता है.
- 3. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.
- 4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री एल. पी. दाण्डे अवकाश पर नहीं जाते तो अवर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पद पुर कार्य करते रहते.

रायपुर, दिनांक 5 जुलाई 2007

क्रमांक 361/605/2007/1-8/ स्था.—श्री पी. सी. मिश्रा, विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, पैचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को दिनांक 25-6-2007 से 7-7-2007 तक 13 दिवस का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

- 2. अवकाश से लौटने पर श्री पी. सी. मिश्रा को विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के पद पर पुन: पदस्थ किया जाता है.
- अवकाश अविध में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.
- 4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री पी. सी. मिश्रा अवकाश पर नहीं जाते तो विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के पद पर कार्य करते रहते.

रायपुर, दिनांक 5 जुलाई 2007

क्रमांक 363/613/2007/1-8/ स्था.—श्री ए. मिंज, अतिरिक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, आदिमजाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग को दिनांक 23-5-2007 से 10-6-2007 तक 19 दिवस का लघुकृत अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

- 2. अवकाश से लौटने पर श्री ए. मिंज को अतिरिक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, आदिमजाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के पद पर पुन: पदस्थ किया जाता है.
- 3. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री ए. मिंज अवकाश पर नहीं जाते तो अतिरिक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, आदिमजाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के पद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कुमार सिंह, अवर सचिव.

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांकं 7 जून 2007

क्रमांक एफ 20-05/2004/11/ (6).—राज्य सरकार एतद्द्वारा वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की छत्तीसगढ़ राजपत्र में 14 जुलाई 2006 को प्रकाशित अधिसूचना क्रमांक एफ 20-05/2004/11/ (6) में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्-

संशोधन

उक्त अधिसूचना के प्रथम पैरा के अनुक्रमांक 2 'रिडीमेड गारमेन्ट्स'' को अनुक्रमांक 2 'रिडीमेड गारमेन्ट्स (केवल अपेरल पार्क में स्थापित)'' से प्रतिस्थापित किया जाता है.

उक्त अधिसूचना के पैरा 2 ''यह अधिसूचना छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील मानी जायेगी'' को 2 ''यह अधिसूचना औद्योगिक नीति 2004-09 के लागू होने की दिनांक 01-11-2004 से प्रभावशील होगी'' से प्रतिस्थापित किया जाता है.

> छत्तीसर्गढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विनोद गुप्ता, विशेष सचिव.

आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर दिनांक 16 जुलाई 2007

क्रमांक/6592/4036/25-2/आजावि/2007.— इस विभाग के क्रमांक/ 3918/4036/25-2/ आजावि/2007 दिनांक 14 जून, 2007, द्वारा स्व. हाजी अली स्मृति सम्मान की पुरस्कार राशि रुपये 1.00 लाख के स्थान पर रुपये 2.00 लाख दिए जाने हेतु आदेशित किया गया था.

राज्य शासन, एतद्द्वारा उपर्युक्त आदेश को अतिष्ठित करते हुए आदेशित करता है कि स्व. हाजी अली स्मृति सम्मान के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में उर्दू साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय साहित्यिक रचनाओं तथा साहित्य साधना करने वाले किसी एक व्यक्ति को पुरस्कार राशि के रूप में रु. 1.00 लाख (रुपये एक लाख मात्र) का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिया जावेगा.

> छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, अनिल चौधरी, उप-सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

दुर्ग, दिनांक 18 जुलाई 2007

क्रमांक 933/प्र. 1 /भू-अर्जन/अ. वि. अ./2007.—चूंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:-

अनुसूची

	भूमि	का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दुर्ग	दुर्ग	उमरपोटी	1.82	कार्यपालन अभियंता, तांदुला ज/सं संभाग, दुर्ग	रिसाली उपरपोटी नाला जलाशय हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, दुर्ग के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, सुब्रत साहू, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चाम्पा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

जांजगीर, दिनांक 25 मई 2007

क्रमांक/493/भू-अर्जन/. —चूंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा -5 (अ) के उपबन्ध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:-

अनुसूची

	<i>3</i> .	् पूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
নিলা (1)	तहसील (2)	नगर/ग्राम (3)	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में) (4)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी (5)	का वर्णन (6)
जांजगीर-चाम्पा	डभरा	कांसा	17.05	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग चाम्पा जिला-जांजगीर- चाम्पा.	घटोई जलाशय के अन्तर्गत डुबान क्षेत्र में आने से.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (रा.), डभरा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, / बी. एल. तिवारी. कलेक्टर एवं पदेन उप न ज़िव

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

बिलासपुर, दिनांक 24 मई 2007

क्रमांक 2/अ-82/2005-06. चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:-

अनुसूची

भूमि का वर्णन			धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	न्गर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	कोलबिर्रा	0.343	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, मरवाही.	लोवरसोन व्यपवर्तन योजना के शाखा नहर
	•			i i i i i i i i i i i i i i i i i i i	निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 24 मई 2007

क्रमांक 18/अ-82/2005-06.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:-

अनसची

	• મૂ	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	`का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	पथर्रा	0.225	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, मरवाही.	लोवरसोन व्यपवर्तन योजना के शाखा नहर निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 24 मई 2007

क्रमांक 18/अ-82/2006-07.—चूंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनयम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:-

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल	के द्वारा	का वर्णन
	•		(हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारी	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	महोरा	2.881	कार्यपालन अभियंता, जल	बगड़ी जलाशय नहर
				संसाधन संभाग, मरवाही.	निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, सुबोध कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला कोरबा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

कोरबा, दिनांक 20 जून 2007

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 15/अ-82/2006-07. च्हूं कि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-कोरबा
 - (ख) तहसील-कोरबा
 - (ग) नगर/ग्राम-रिसदी
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.081 हेक्टेयर

,	खसरा नम्बर	रकबा'. (हेक्टेयर में) (2)
	495/1, 502/2	0.081
य्रोग	1	0.081

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-राखड़ बांध के निर्माण कार्य हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, कोरबा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, अशोक अग्रवाल, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

दुर्ग, दिनांक 6 जुलाई 2007

क्रमांक/1320/ प्र.-1/अ. वि. अ./2007:—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-डोण्डीलोहारा
 - (ग) नगर/ग्राम-खेरथा, प. ह. नं. 9
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.02 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर		रकबा (हेक्टेयर में)
•	(1)		(2)
•	.660	- - - -	0.02
योग ं	1	,	 0.02

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-सेतु निर्माण हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), डौण्डीलोहारा के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 6 जुलाई 2007

क्रमांक/1322/प्र.-1/अ. वि. अ./2007.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

योग

- . (क) जिला-दुर्ग
- (ख) तहसील-डौण्डीलोहारा
- (ग) नगर/ग्राम-किसना, प. है, नं. 4
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.15 हेक्टेयर

	•
खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
304	0.01
305	0.08
306	0.01
326	0.06
327/2	0.04
332/1	0.09
333	0.38
336	0.07
337	0.12
338	0.29
· ·	. 1.15

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके ्लिए आवश्यकता है-नाहदा-सुरसुली-किसना मार्ग निर्माण हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), डौण्डीलोहारा के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 6 जुलाई 2007

क्रमांक/1324/ प्र.-1/अ. वि. अ./2007.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-डौण्डीलोहारा
 - (ग) नगर/ग्राम-परसुली, प. ह. नं. 15
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.06 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर		रकबा (हेक्टेयर में)
* *	(1)		(2)
	499	,	0.06
योग			0.06

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-सेतु निर्माण हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी, (राजस्व) डौण्डीलोहारा के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, सुब्रत साह्,, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

सरगुजा, दिनांक 28 मई 2007

रा. प्र. क्र. /1/ अ-82/2004-05.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-सरगुजा
 - (ख) तहसील-सामरी

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	170/3	0.104
योग		0.104

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-गलफुला सेतु पहुँच मार्ग निर्माण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, कुसमी के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, **रोहित यादव,** कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चाम्पा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

जॉजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 जून 2007

क्रमांक. 63.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जॉजगीर-चाम्पा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-जांजगीर
 - (ग) नगर/ग्राम-पेण्ड्री, प. ह. नं. 40
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.129 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
,	(1)	(2)
	320/10	0.129
योग	1	0.129

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-पिथमपुर डि. ब्यू. नहर निर्माण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जाँजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जाँजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 जून 2007

क्रमांक: 64.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - ा(क) जिला-जाँजगीर-चाम्पा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-पामगढ
 - (ग) नगर/ग्राम-शुक्लाभाठा, प. ह. नं. 10
 - •(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.328 हेक्टेयर

खसरा नम्बर				रकबा
			•	(हेक्टेयर में)
(1)		•	•	(2)
259/1			:	0.182
259/11	*	٠.		0.146
योग 2	4 ~	,		0.328
			•	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-ससहा डि. ब्यू. नहर निर्माण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जाँजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, बी. एल. तिवारी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

बिलासपुर, दिनांक 25 अप्रैल 2007

क्रमांक 10 /अ-82/03-04.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दो गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-बिलासपुर
 - (ख) तहसील-कोटा
 - (ग) नगर/ग्राम-तेन्दुआ, प. ह. नं. ९
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.299 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	• रकबा	(1)	(2)
	(हेक्टेयर में)	(1)	(2)
(1)	(2)	108	1.14
460/1 470/4 474/4	•	109	0.09
463/1, 470/1, 471/1	0.041	110/10	0.54
470/2, 471/2	0.041	111	1.08
462/1	0.061	112/1 क	0.30
419/1, 429,	0.012	112/1 ख	0.30
421/1	0.008	112/1 ग	0.30
419/4	0.020	112/1 घ	0.90
419/6	0.024	113	0.35
451/1	0.085	116/1	0.05
430	0.004	.118/3	0.11
435	0.004	119/3	70.07
436	0.036	120	0.07
441/1	0.020	123	0.20
441/2	0.020	125/1	
451/3	0.032	125/2	0.09
62/1	0.405	126/1	0.12 0.05
453/1	0.081	126/2	
64/2	0.405	127/3	0.05
		. 136/1	0.09
	1.299		0.35
'योग		136/2	
		136/2 246/1	0.40
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए 3		246/1	10.32
		246/1 249	0.30
 सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए 3 नहर निर्माण हेतु. 	 गावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के	246/1 249 252/1	0.32 0.30 0.10
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए 3 नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरी		246/1 249 252/1 378/1	0.32 0.30 0.10 0.15
 सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिए 3 , नहर निर्माण हेतु. भूमि के नक्शे (प्लान) का निरी भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार 	नावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के क्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं र्यालय में किया जा सकता है.	246/1 249 252/1 378/1 378/2	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12
 सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए 3 नहर निर्माण हेतु. भूमि के नक्शे (प्लान) का निरी। भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल 	गावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के क्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं र्यालय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार,	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19
 सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए 3 नहर निर्माण हेतु. भूमि के नक्शे (प्लान) का निरी। भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल 	नावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के क्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं र्यालय में किया जा सकता है.	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18
 सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए 3 नहर निर्माण हेतु. भूमि के नक्शे (प्लान) का निरी। भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी 	मावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के क्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं र्यालय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, , कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30
 सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए 3 नहर निर्माण हेतु. भूमि के नक्शे (प्लान) का निरी। भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल 	मावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के क्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं र्यालय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, , कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए 3 ्नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीः भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के क्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं र्यालय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, , कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए 3 , नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीः भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भाग अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रांत्य में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए अ नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरी। भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्न णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भाग अनुविभागीय अधिकारी एवं र्यालय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वे दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए अ नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीः भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार् छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्न णिंत भूमि की अनुसूची के पद (2) में लेए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भाग अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रांतिय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वे दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए 3 , नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीः भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्च णिंत भूमि की अनुसूची के पद (2) में लेए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन गिंधिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भाग अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रांत्य में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वे दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए 3 , नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीः भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्च णिंत भूमि की अनुसूची के पद (2) में लेए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन ।धिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के भाग अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रांत्य में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वे दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए अ नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीः भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्च णिंत भूमि की अनुसूची के पद (2) में अ लेए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन ।धिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन् ।ता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के साण अनुविभागीय अधिकारी एवं में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वे दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:—	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08 0.15
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए अ नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्ष्म अर्जन अधिकारी, कोटा के कार्य छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्च णिंत भूमि की अनुसूची के पद (2) में अलेए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन् नाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के साण अनुविभागीय अधिकारी एवं में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वे दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:—	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489 490 491/2	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08 0.15 0.12
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए अ नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीः भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्च णिंत भूमि की अनुसूची के पद (2) में अलें लेए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन गिंधिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन् गिंता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के अनुसूच्	मावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के सण अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रांतिय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वे दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:—	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489 490 491/2 492	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08 0.15 0.12 0.02
2) सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिए अ नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीः भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीच् णिंत भूमि की अनुसूची के पद (2) में लेए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन ।धिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन् ।ता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के अनुसूच् (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-बिलासपुर	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के सण अनुविभागीय अधिकारी एवं र्यालय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वे दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:—	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489 490 491/2 492 494/1	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08 0.15 0.12 0.02- 0.08
2) सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिए अ नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीः भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. '23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि निर्हे छित भूमि की अनुसूची के पद (2) में हे छेए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन ।धिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन् ।ता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के अनुसूच् (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-बिलासपुर (ख) तहसील-मस्तूरी	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के सण अनुविभागीय अधिकारी एवं र्यालय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वं दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:—	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489 490 491/2 492 494/1 491/1	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08 0.15 0.12 0.02 0.08 0.21
2) सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिए अ नहर निर्माण हेतु. 3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्ष्म अर्जन अधिकारी, कोटा के कार्य छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्च णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में अर्थ आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन धिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन्ताता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के अनुसूच्	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के सण अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रांतिय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वं दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:—	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489 490 491/2 492 494/1 491/1 491/1	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08 0.15 0.12 0.02 0.08 0.21 0.02
2) सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिए अ नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीः भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार छत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. '23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि निर्हे छित भूमि की अनुसूची के पद (2) में हे छेए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन ।धिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन् ।ता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के अनुसूच् (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-बिलासपुर (ख) तहसील-मस्तूरी	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के सण अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रांतिय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वं दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:—	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489 490 491/2 492 494/1 491/1 494/2 524	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08 0.15 0.12 0.02 0.08 0.21 0.02 0.02 0.02
2) सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिए अ , नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्ष्य अर्जन अधिकारी, कोटा के कार्य कर्मास्त हे राज्यपाल मौरव द्विवेदी जिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्च णिंत भूमि की अनुसूची के पद (2) में अर्थ आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन विभिन्नयम सन् 1984) की धारा 6 के अन्ताता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के अनुसूच्	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के सण अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रांतिय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वं दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:—	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489 490 491/2 492 494/1 491/1 491/1 494/2 524 525	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08 0.15 0.12 0.02 0.08 0.21 0.02 0.08
2) सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिए अ नहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्ष्म अर्जन अधिकारी, कोटा के कार्य पाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्च णिंत भूमि की अनुसूची के पद (2) में अर्थ आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन विभिन्नम सन् 1984) की धारा 6 के अनाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के अनुसूच्ये (व) तहसील-मस्तूरी (ख) तहसील-मस्तूरी (ग) नगर/ग्राम-जेवरा (घ) लगभग क्षेत्रफल-	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के सिण अनुविभागीय अधिकारी एवं र्यालय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वे दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:—	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489 490 491/2 492 494/1 491/1 494/2 524 525 527	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08 0.15 0.12 0.02 0.08 0.21 0.02 0.08 0.21 0.02 0.11 0.08 0.06
2) सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिए अ नहर निर्माण हेतु. 3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्ष्म अर्जन अधिकारी, कोटा के कार्य खत्तीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्च णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में अर्थ अर्थ आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन विधिनयम सन् 1984) की धारा 6 के अन्ता । अनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन्ता । है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के अनुसूच्ये (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-बिलासपुर (ख) तहसील-मस्तूरी (ग) नगर/ग्राम-जेवरा (घ) लगभग क्षेत्रफल-	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के सण अनुविभागीय अधिकारी एवं र्यालय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वं दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:— त्री , प. ह. नं. 33 31.55 एकड़	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489 490 491/2 492 494/1 491/1 491/1 494/2 524 525 527 529	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08 0.15 0.12 0.02 0.08 0.21 0.02 0.01 0.02 0.11 0.08 0.06 0.06
2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए अनहर निर्माण हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीः भू-अर्जन अधिकारी, कोटा के कार्य खेतीसगढ़ के राज्यपाल गौरव द्विवेदी बिलासपुर, दिनांक 2 रा. प्र. क्र. 23 /अ-82/200 स बात का समाधान हो गया है कि नीर्वाणित भूमि की अनुसूची के पद (2) में लेए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन मधिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन्ताता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के अनुसूच्	भावश्यकता है-तेंदुवा जलाशय के सण अनुविभागीय अधिकारी एवं प्रांत्रिय में किया जा सकता है. के नाम से तथा आदेशानुसार, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. 7 जून 2007 5-06.—चूंकि राज्य शासन को वं दी गई अनुसूची के पद (1) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के अधिनियम, 1894 (संशोधित तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:— तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:— तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:— तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया लिए आवश्यकता है:— रकबा (एकड़ में)	246/1 249 252/1 378/1 378/2 389/1 415 416 417/1 418 421 483/3 484 488 489 490 491/2 492 494/1 491/1 494/2 524 525 527	0.32 0.30 0.10 0.15 0.12 0.19 4.18 0.30 1.68 0.73 0.72 1.00 0.14 0.38 0.08 0.15 0.12 0.02 0.08 0.21 0.02 0.08 0.21 0.02 0.11 0.08 0.06

666/1

675

0.10 0.11

* *				
ाजपत्र, दिनांक 27 जुलाई 2007				
19147.144190 2/91915 200/				

1064	छत्तासगढ़ राजपत्र, दिन	ांक 27 जुलाई 2007	[भाग 1
(1)	(2)	(1)	(2)
546/2	0.33	678/1	0.63
547/1	0.04	770/3 क, 77/3 ख	0.20
547/4	0.18	770/4	0.20
547/5	0.02	771	0.20
547/6	0.06	788/1	0.28
550	0.34	789	0.45
552/1	0.02	792/3	0.05
552/2	0.16	793	0.17
555/1	0.01	797	0.23
555/4	0.06	798/1	0.16
555/5 क	0.07	798/2	0.30
555/ 5 ख	0.02	798/3	0.20
555/9	0.14	813/1	0.12
555/10	0.12	813/2	0.05
555/12	0.20	813/2	0.05
555/13	0.04	813/4	0.10
555/14	0.10		
677	0.67	815	0.50
573/3	0.13	818	0.06
574/2	0.11	819	0.12
574/4	0.12	831/2	0.25
593/1	0.09	831/3	0.46
594	0.02 0.16	- 832/1	0.16
597, 598/1 599/1	0.06	832/2	0.16 -
599/4		842/1	0.06
600	0.03 0.05	842/2	0.06
602/1,603/1	0.03	842/3	0.05
603/3	0.17	843	.0.03
603/6	0.17	845/1	0.35
604	0.04	. 859	0.06
605	0.11	860/1	0.06
606	0.04	860/2	0.06
611/1	0.04	-	
612	0.11	योग	31.55
620/2	0.02	(1) <u>(0 </u>	
633	0.26	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए	आवश्यकता ह-फुटामुड़ा जलाश
635/3 .	0.04	 बांध एवं डूबान क्षेत्र हेतु. 	
635/5	0.01	(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का	निरीक्षण अनुविभागीय अधिकार
636/1	0.01	(राजस्व), बिलासपुर के कार्यात	ह्य में किया जा सकता है.
637	0.50	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	
638	0.16		
644/1	0.13	बिलासपुर, दिनांक	26 जून 2007
• 645/1 ख	0.50		
645/1 ग	0.20	रा. प्र. क्र. 6 /अ-82/2006	5-2007.—चूंकि राज्य शासन क
652	0.10	्ड्स बात का समाधान हो गया है कि न	चि दी गई अनुसूची के पद (1) ।
653, 654	0.18	वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) मे	। उल्लाखत सावजानक प्रयाजन व न अधिकार १००५ (चंचे)
	0.40	लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्ज	न आधानवम, 1894 (संशाधि

लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

(1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-बिलासपुर (ख) तहसील-मुंगेली (ग) नगर/ग्राम-जेदूक (घ) लगभग क्षेत्रफल-	ापा, प. ह. नं. 8
• खसरा नम्बर	रकबा
. :	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
53	` 134 ن
54	0.093
62/3	0.065
62/2 .	0.093
63/7	0.117
63/1	0.077
61/2,64/1	0.182
63/5	0.077
64/2	0.053
п 9	0.891

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-आग्नर व्यपवर्तन योजना के शाखा नहर हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मुंगेली के कार्यालय में किया जा सकता है.

ेबिलासपुर, दिनांक 26 जून 2007

रा. प्र. क्र. 15 /अ-82/2006-2007.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-बिलासपुर
 - (ख) तहसील-मुंगेली
 - (ग) नगर/ग्राम-जेठूकापा, प. ह. नं. 8
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.814 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में (2)
5/8	0.134

्रेष्ट्राच्याच्या के ने नाम होते ।

योग	9		0.814
	9/2	•	0.061
	9/3		0.77
	9/2		0.101
	2/1 ढ		0.093
	2/1 ₹, 6/5		0.049
	6/4		0.085
7	6/6		0.113
٠,.	5/11		0.101
	(1)		(2)

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-आगर व्यपवर्तन योजना के शाखा नहर हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुंगेली के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 26 जून 2007

क्रमांक 18 /अ-82/2006-2007.—चृंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम सन् 1984) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-बिलासपुर
 - (ख) तहसील-मुंगेली
 - (ग) नगर/ग्राम-मुंगेली, प. ह. नं. ०६
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.255 हेक्टेयर

•.	खसरा नम्बर	रकवा
		(हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	409/1	0.166
٠.	429	0.089
योग.	2	0.255

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-रामगढ़ एनीकट आगर स्टाप डेम योजना के निर्माण कार्य हेत्.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाभ से तथा आदेशानुसार, सुयोध कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिवा.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

राजनांदगांव, दिनांक 15 जून 2007

क्रमांक 4638 /भू-अर्जन /2007.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सावजिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

- (क) जिला-राजनांदगांव
- (ख) तहसील-डोंगरगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-पटपर, प. ह. नं. 31
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-15.69 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा
	√(एकड़ में)
(1)	(2)
972	1.75
984	0.20
985	0.30
1000	2.70
1015/1	0.44
1015/2	0.44
1016/1	0.77
1016/2	0.78
. 1020	1.65
1091/4	0.12
1091/3	0.38
1091/1	0.38
982	1.00
983	1.00
1093	1.64
1094	0.53
1095	1.61
17	15.60
	15.69

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-मरूवाटोला जलाशय योजना के डुबान क्षेत्र हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी , राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 15 जून 2007

क्रमांक 4639 /भू-अर्जन/2007.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-राजनांदगांव
 - (ख) तहसील-डोंगरगढ़
 - (ग) नगर/ग्राम-कातलवाही, प. ह. नं. 11
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.16 एकड

ত্ত	ासरा नम्बर		• .	रकबा (एकड़ में)
	(1)			(2).
٠.		r		
	341/3			0.21
	341/5		ign gartin	0.06
` -	. 354			0.61
	352/4		•	0.08
	352/5			0.12
	355/1			0.21
	352/3	•	•	0.08
	351/1			. 0.15
	365	-		0.41
	366/3		. :	0.17
	368/3			0.07
	366/2	,	٠	0.19
	367/2			0.11
	368/1	•		0.45
	368/2		•	0.24
	 		· 	
योग	15			3.16

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-छीपा व्यपवर्तन नहर विस्तार कार्य हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, डोंगरगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्रमांक 4640 /भू-अर्जन/2007.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1)) भूमि का वर्णन-	
,	(क) जिला-राज	गंदगांव
	(ख) तहसील-डे	
		आलीवारा, प. ह. नं. 11 🧪
•	् (घ) लगभग क्षेत्र	
	- (1) CHITAIA	1.00 (4.9
	. खसरा नुम्बर	रकबा
		(एकड़ में)
•	(1)	(2).
	59/1	0.43
	59/2	0.42
	65	0.01
	63	0.03
•	64/1	0.35
	64/2	0.35
•	73	0.21
	<u> </u>	
योग	7	1.80

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-छीपा व्यपवर्तन नहर विस्तार कार्य हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी डोंगरगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 15 जून 2007

क्रमांक 4641/भू-अर्जन/2007.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित . भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1). भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-राजनांदगांव
 - (ख) तहसील-डोंगरगढ़
 - (ग) नगर/ग्राम-भानपुरी, प. ह. नं. 11
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.89 एकड़

<u>.</u>	खसरा नम्बर	•		रकबा
	(1)			(एकड़ में) (2)
			•	•
	804/1			0.07
	805			0.10
	809/2	•		. 0.22
•	809/1			0.22
	810	÷	•	0.17
	812			0.02
	818/1	•		0.55
	827	•		0.10
	828/1			0.38
	825			0.11
	826			0.16
•	833/1	*		0.09
	832/1	•		0.70
				, ,
योग	13			2.89
	·.			

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-छीपा व्यपवर्तन नहर विस्तार कार्य हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, डोंगरगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

्छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदशानुसार, संजय गर्ग, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

रायपुर, दिनांक 31 मई 2007

क्रमांक /क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./14/ अ-82/ वर्ष 2005-06.—चूंकि राज्य शासन को इस वात का समाधान हो गया है कि नीचे दी नई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अर्तः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायपुर
 - (ख) तहसील-रायपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-डूमरतालाब, प. ह. नं. 104
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-11.854 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा	(1)
	(हेक्टर में)	
(1)	(2)	478/2 0.182
405 522/1	0.405	478/6 0.089
495, 532/1	0.405	478/3 0.142
532/2 425/3	0.032	479/2 0.162
423/3 492/4	0.405	478/4 0.027
492/4 476/7	0.049	480/2 0.194
425/2	0.283 0.328	478/5 0.027
425/4	0.101	480/3 . 0.194
425/5	_ 0.324	479/1 0.132
493/1	0.230	, 479/3 0.066
493/2	0.434	515/4 0.445
494	0.522	511/1 0.054
492/1	0.081	511/2 0.054
492/2	0.336	511/3 0.018
492/3	0.121	511/4 . 0.036
525/5	0.202	513/6 0.206
492/5	0.077	513/7 0.037
492/6	0.081	
490/1	. 0.043	योग 67 11.854
490/2	0.060	
490/3	0.061	
•	0.061 0.069	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु.
490/3	•	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु.
490/3 449	0.069	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी
490/3 449 525/3	0.069 0.065	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी
490/3 449 525/3 487	0.069 0.065 0.178	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी
490/3 449 525/3 487 462	0.069 0.065 0.178 0.089	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है.
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2)
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/ वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित पूंमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/ वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनयम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/ वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/ वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनयम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अंजन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित मूंमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2 471/6	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102 0.101	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अंजन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— अनुसूची
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2 471/6 471/7	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102 0.101 0.101	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— अनुसूची (1) भूमि का वर्णन-
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2 471/6 471/7 471/8	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102 0.101 0.101	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अंजन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित पूंमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— अनुसूची (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-रायपुर
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2 471/6 471/7 471/8 472/1	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102 0.101 0.101 0.101	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अंजन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— अनुसूची (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-रायपुर (ख) तहसील-रायपुर
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2 471/6 471/7 471/8 472/1 472/4	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102 0.101 0.101 0.101 0.101	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित मूंमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— अनुसूची (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-रायपुर (ख) तहसील-रायपुर (ग) नगर/प्राम-सेजबहार, प. ह. नं. 119
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2 471/6 471/7 471/8 472/1 472/4 475/4	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102 0.101 0.101 0.101 0.101 0.202 0.162 0.324	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनयम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— अनुसूची (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-रायपुर (ख) तहसील-रायपुर
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2 471/6 471/7 471/8 472/1 472/4 475/4 472/5	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102 0.101 0.101 0.101 0.202 0.162 0.324 0.405	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित पूंमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— अनुसूची (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-रायपुर (ख) तहसील-रायपुर (ग) नगर/ग्राम-सेजबहार, प. ह. नं. 119 (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.785 हेक्टेयर
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2 471/6 471/7 471/8 472/1 472/4 475/4 472/5 472/6	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102 0.101 0.101 0.101 0.101 0.202 0.162 0.324 0.405 0.243	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित मूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— अनुसूची (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-रायपुर (ख) तहसील-रायपुर (ग) नगर/प्राम-सेजबहार, प. ह. नं. 119 (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.785 हेक्टेयर खसरा नम्बर
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2 471/6 471/7 471/8 472/1 472/4 475/4 472/5 472/6 472/10	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102 0.101 0.101 0.101 0.202 0.162 0.324 0.405 0.243 0.202	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है: — अनुसूची (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-रायपुर (ख) तहसील-रायपुर (ण) नगर/प्राम-सेजबहार, प. ह. नं. 119 (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.785 हेक्टेयर खसरा नम्बर खसरा नम्बर (केका (हेक्टेयर में)
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2 471/6 471/7 471/8 472/1 472/4 475/4 472/5 472/6 472/10 475/05, 472/13	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102 0.101 0.101 0.101 0.101 0.202 0.162 0.324 0.405 0.243 0.202 0.223	शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के शैक्षणिक विस्तार हेतु. (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/वर्ष 2006-07. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है: — अनुसूची (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-रायपुर (ख) तहसील-रायपुर (ण) नगर/प्राम-सेजबहार, प. ह. नं. 119 (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.785 हेक्टेयर खसरा नम्बर खसरा नम्बर (केका (हेक्टेयर में)
490/3 449 525/3 487 462 465 478/1 480/1 466/4 466/7 472/15, 475/9 514/4 467/1 460/7 470/4 471/2 471/6 471/7 471/8 472/1 472/4 475/4 472/5 472/6	0.069 0.065 0.178 0.089 0.227 0.027 0.194 0.119 0.174 0.046 0.809 0.526 0.061 0.102 0.101 0.101 0.101 0.202 0.162 0.324 0.405 0.243 0.202	(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अंर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है. रायपुर, दिनांक 31 मई 2007 क्रमांक/ क/वा./भू. अ./अ. वि. अ./प्र. क्र./17/ अ-82/ वर्ष 2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित पूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— अनुसूची (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-रायपुर (ख) तहसील-रायपुर (ग) नगर/प्राम-सेजबहार, प. ह. नं. 119 (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.785 हेक्टेयर खसरा नम्बर (क्षेत्रटेयर में)

		2.	
	(1)	•	(2)
	74/8	•	0.001
	· ·	· · · · · ·	0.081
	71/10		. 0.158
40	0/1,40/3		0.130
	40/2		0.056
	32/40		0.040
•	32/40		0.064
	75/4		0.263
	74/4		0.097
	75/8 `		0.202
	74/3		0.024
	74/7	•	0.089
•	74/10		0.142
	71/2		0.194
	43/6		0.032
•	41		0.130
•	43/2	·	0.097
	78/1		0.113
	71/1		0.235
•,	71/11		0.829
7	1/7,71/12	•	0.182
	71/16	•	0.101
	71/8	1	0.081
	71/4		0.303
-	78/9	· " ' ,	0.057
ग	25		3.785

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-न्यूशासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, रायपुर (छ. ग.) के भवन निर्माण हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है

रायपुर, दिनांक 4 जुलाई 2007

क्रमांक 105/अविअ/भू-अर्जन/2007.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आंवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायपुर
 - (ख) तहसील-पलारी
 - (ग) नगर/ग्राम-आछोली, प. ह. नं. 22
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.608 हेक्टेयर

	्खसरा नम्बर	रकबा
	(1)	. (हेक्टेयर में) (2)
	204/14	0.097
•	204/15	0.101
	204/16	0.190
	204/17	0.170
	204/19	0.125
	256	0.465
	252/4	0.226
	250	0.234
योग	8	1.608
	1	•

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-भरूवािंडह, खम्हारडीह, गातापार मार्ग के कि. मी. 3/4 पर खोरसीनाला पर निर्माणाधीन पुल के पहुंच मार्ग.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, बालौदा बाजार के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 5 जुलाई 2007

क्रमांक 86,4/अ. वि. अ./भू-अर्जन/07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 (1) के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायपुर
 - (खं) तहसील-गरियाबंद
 - (ग) नगर/ग्राम-चिखली, प. ह. नं. 36
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.82 हक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
93	0.10
94	0.06
.95	0.22
96/1	0.14
96/2	0.15
97/1	0.15
6	0.82

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-घुमरापदर जलाशय योजना के अन्तर्गत उलट नाली निर्माण हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, गरियाबंद के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 5 जुलाई 2007 -

क्रमांक 868 /अ. वि. अ./भू-अर्जन/07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची केपद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 (1) के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायपुर
 - (ख) तहसील-गरियाबंद
 - (ग) नगर/ग्राम-सगड़ा
 - (घ) लगभग क्षेत्रफुल-2.14 हेक्टेयर

खसरा नम्ब	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
420	0.37
419	0.14
418	0.15
417	0.09
429	0.24
442	0.71
444	0.34
464	 0.10
योग 8	 2.14

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-धुमरापदर जलाशय योजना के अन्तर्गत शाखा नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, गरियाबंद के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 5 जुलाई 2007

क्रमांक 868/अ. वि. अ./भू-अर्जन/07 .—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची केपद (2) में उल्लेखित सार्वजनिकप्रयोजन केलिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 (1) के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायपुर
 - (ख) तहसील-गरियाबंद
 - (ग) नगर/ग्राम-ध्मरापदर
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.92 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर		रकबा 🔻
•		· .	(हेक्टेयर में)
	(1)		(2)
	344		0.36
	355	, ,	0.30
	357		0.40
	385		0.16
	362		0.30
•	358		0.36
	359		0.04
योग	7		1.92

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-धुमरापदर जलाशय योजना के अन्तर्गत शाखा नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, गरियांबद के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 5 जुलाई 2007

क्रमांक 868/अ. वि. अ./भू-अर्जन/07 .—चूंकि राज्य शासन की इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 (1) के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायपुर
 - (ख) तहसील-गरियाबंद
 - (ग) नगर/ग्राम-धनौरा
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-5.81 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
204	0.46
199/3	0.32
200	0.04

(1) .		(2)
199/2	_	0.12
182,	·	0.19
184		0.22
162		0.34
108		0.12
107		0.04
105		0.10
104		0.34
98		0.16
96	•	0.34
377/2	•	0.30
371		0.38
366		0.38
358		0.22
352/2		0.07
352/3	•	0.06
352/1	• •	0.06
352/4	•	0.05
352/5		0.06
351		0.14
3.50		0.06
534		0.10
546		0.40
536		0.34
537	•	0.05
540	• ,	0.24
541		0.18
30.		5.81

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-धुमरापदर जलाशय योजना के अन्तर्गत शाखा नहर निर्माण हेतु.

योग

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, गरियांबंद के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 5 जुलाई 2007

क्रमांक 868 /अ. वि. अ./भू-अर्जन/07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 (1) के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायपुर
 - (ख) तहसील-गरियाबंद
 - (ग) नगर/ग्राम-भैंसमुड़ी
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.33 हेक्टेयर

	ख	सरा नम्बर	•	रकबा . (हेक्टेयर में)
		(1)		(2)
		1		0.02
		5		0.16
		9		0.24
		10		0.24
		11		0.15
	•	12		0.27
• <	٠	13		0.02
		16		0.23
	_			
योग	,	8		1.33
	•	·		

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-घुमरापदर जलाशय योजना के अन्तर्गत शाखा नहर निर्माण हेतुं.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, गरियांबंद के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 5 जुलाई 2007

क्रमांक 868 /अ. वि. अ./भू-अर्जन/07 .—चूंिक राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6(1) के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायपुर
 - (ख) तहसील-गरियाबंद
 - (ग) नगर/ग्राम-फलसापारा
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.78 हेक्टेयर

बसरा नम्बर	Ţ		•	रकबा
•		•		(हेक्टेयर में)
(1)			• .	(2)
٠.	• -			
30	÷			0.24
32			r	0.28

(1)	•	(2)	•
		·	
34	•	0.22	•
356		0.02	
36		0.23	
37/2		0.28	
37/3		0.08	
40/1	•	0.06	
40/2		0.21 .	
41		0.19	•.
. 62	V	0.28	
71		0.22	
75		0.25	•
170		0.10	,
173		0.35	
179		0.11	
178		0.11	
176	•.	0.14	
307		0.14	
304		0.04	
353	•	0.02	
357	•	77 0.21	. *
		*. ***********************************	
22		3.78	-

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-घुमरापदर जलाशय योजना के अन्तर्गत शाखा नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, गरियाबंद के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विकासशील, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बस्तर, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

बस्तर, दिनांक 4 जुलाई 2007

क्रमांक क/भू-अर्जन/1/अ-82/2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - '(क) जिला-बस्तर
 - (ख) तहसील-जगदलपुर
 - ं (ग) नगर/ग्राम-कुम्हली, प. ह. न. 35
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.198 हेक्ट्रेयर

	खसरा नम्बर .(1)				रकबा (हेक्टेयर में) (2)
	. 1				0.460
•	1290	'	•	,	0.730
योग	3				1.198

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-कोसारटेडा जलाश्य परियोजना (मुख्य नहर निर्माण).
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) आदि का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भू-अर्जन अधिकारी, जगदलपुर अथवा संबंधित विभाग के कार्यालय में किया जा सकता है.

बस्तर, दिनांक 4 जुलाई 2007

क्रमांक क/भू-अर्जन/2/अ-82/2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1)	भूमि	का	वर्णन-

योग

- (क) जिला-बस्तर
- (ख) तहसील-जगदलपुर
- (ग) नगर/ग्राम-कुम्हली, प. ह. नं. 35
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.064 हेक्टेयर

खसरा नम्बर		रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	•	(2)
		* **.
1501/1		0.028
1503		0.036
2	•	0.064

				लिए आवश्यकता	है-कोसारटेडा		
जलाशय परियोजना (फाफनी सब माइनर नं. 1)							

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) आदि का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भू-अर्जन अधिकारी, जगदलपुर अथवा संबंधित विभाग के कार्यालय में किया जा सकता है.

बस्तर, दिनांक 4 जुलाई 2007

क्रमांक क/भू-अर्जन/4/अ-82/2006-07.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-बस्तर
 - ·(ख) तहसील-जगदलपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-कुम्हली, प. ह. नं. 35
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.899 हक्टेयर

खसरा नम्बर		रकबा ()): \
	(1)	. (हेक्टर में) (2)
••	1530	0.114
	1532	• 0.084
	730	0.310
	728	0.102
	727	0.004
•	706	0.135
	707	0.150
योग	7	0.899

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-कोसारटेष्ठा जलाशय परियोजना (कुम्हली सब मइनर)
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) आदिका निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भू-अर्जन अधिकारी, जगदलपुर अथवा संबंधित विभाग के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़े के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, गणेश शंकर मिश्रा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

विभाग प्रमुखों के आदेश

संचालनालय, संस्कृति एवं पुरातत्व छत्तीसगढ़, रायपुर

रायपुर, दिनांक 2 जुलाई 2007

क्रमांक 1567/ स्था./07.—डॉ. एम. आर. थधानी, सहायक प्राध्यापक एवं विभागोध्यक्ष-भाषा विज्ञान, कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, देवेंद्र नगर, रायपुर को आगामी आदेश तक सचिव के पद पर कार्य करने हेतु छत्तीसगढ़ सिंधी साहित्य संस्थान, रायपुर से संलग्न (अटैच) किया जाता है.

2. डॉ. थधानी के वेतन एवं भत्तों का आहरण उनके महाविद्यालय से किया जायेगा और वे अपनी सेवाएं छत्तीसगढ़ सिंधी साहित्य संस्थान के सचिव के रूप में देंगे.

> टी. राधाकृष्णन, आयुक्त.

कार्यालय, कलेक्टर (खनिज शाखा), राजनांदगांव

राजनांदगांव, दिनांक 23 जुलाई 2007

क्रमांक/274/ख. लि./2007.— गौण खनिज नियमावली 1996 के नियम 12 के अन्तर्गत निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया क्षेत्र भवन निर्माण के सामग्री के रूप में उपयोग में लायी जाने वाले चूने के विनिर्माण के लिए भट्ठी में जलाकर उपयोग में लिया जाने वाला चूना पत्थर उत्खिन पट्टा पर दिये जाने हेतु छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से 30 दिन पश्चात् क्षेत्र उपलब्ध होगा.

	पूर्व पट्टेदार का नाम	ग्राम का नाम	तहसील	खसरा नं.	रकबा एकड़ में	खनिज का नाम	भूमि का विवरण	खुला घोषित किये जाने का कारण
1	श्री राजकुमार अग्रवाल आ. श्री भगवानदास अग्रवाल, निवासी	जोरातराई	राजनांदगांव	63, 64/2, 65/2, 66/2, 67, 68, 69/2, 71/2,	3.00	चूना पत्थर	निजी भूमि	पट्टा अवधि समाप्त होने के कारण.
	बसंतपुर रोड, राजनांदगांव (छ. ग.)			72/2, 73/1, 73/2, 74/2, 75/2, 76/2, 77/2				•

टीप :- भूमि स्वामी की सहमति अनिवार्य होगी:

संजय गर्ग, कलेक्टर.